वृत्तपत्राचे नांव :– नवभारत
वृत्तपत्र प्रकाशनाचे ठिकाण :– मुंबई
वृत्तपत्र पान क :– 5
दिनांक :–12/07/2008

गंगेश्वर चतुर्वेद संस्थान

जहां सुबह शाम गूंजते हैं वेद मंत्र

स्वामी गंगेश्वरानंद महाराज की आध्यात्मिक ख्याति से सभी लोग परिचित हैं. वेदों का प्रचार करने के लिये उन्होंने चारों वेदों पर हिंदी में भाष्य लिखे.

वेद विद्या समय के प्रवाह में कहीं लुप्त न हो जाये, इसके लिये उन्होंने भारत के 800 स्थानों पर वेद मंदिरों की स्थापना की. महाराज श्री के वेदों की विद्वता से प्रभावित होकर पंडित जवाहरलाल नेहरू, लालबहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी के अलावा देशभर के अनेक गणमान्य उनके पास विचार-विमर्श के लिये आते थे. स्वामी जी की इच्छा थी कि इस मायानगरी में भी वेद मंदिर की स्थापना हो. सन् 1967 में वेदों के प्रचार-प्रसार के लिये महाराज मुंबई आये.

सन् 1967 में ही वेदों के प्रचार-प्रसार हेतु खार स्थित मेघराज भवन में गंगेश्वर चतुर्वेद संस्थान की स्थापना की गयी. इसके बाद सन् 1974 में सद्गुरू गंगेश्वर इंटरनेशनल वेद मिशन की स्थापना की गई. इस मंदिर में वेदों का अध्ययन तथा पठन -पाठ के लिये बाहर से कई विद्वानों को बुलाकर यहां वैदिक पाठ एवं अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराई गयी. मुंबई में यही एक मंदिर है, जहां अभी भी नियमित रूप से चारों वेदों की ऋचाओं का पाठ किया जाता है. इसके अलावा इस संस्थान में ब्राह्मणों को वैदिक पाठ करने की विधि एवं उसके उच्चारण का पूर्व प्रशिक्षण दिया जाता है. सुबह और सायं यह मंदिर वेदमंत्रों के उच्चारण से गुंजायमान रहता है. स्वामी जी के सतत प्रयास से देशभर में 800 वेद मंदिरों की स्थापना की गयी. सन् 1974 में नेपाल नरेश की विनती पर काठमांडू में भी वेद मंदिर की स्थापना की गई. वैदिक ज्ञान को देश-विदेश में फैलाने के उद्देश्य से सन् 1922 से लेकर 1985 की कालावधि में भारत, जापान, मलेशिया, न्यूजर्सी, अमेरिका में भी 15 भव्य आश्रमों की स्थापना की जा चुकी है, जहां इन वेद मंदिरों द्वारा वेदों का सतत प्रचार, प्रसार होता है. इसके अलावा थाईलैंड के अनेक मंदिरों में भी वेद मंदिर की स्थापना की गयी. हांगकांग, फिलीपीन, मनीला, सिंगापुर, मलेशिया, सोरवापा, बाली द्वीप में भी वैदिक प्रचार के निमित्त वैदिक मंदिर स्थापित किये गये. स्वामीजी की प्रशंसा करते हुए महाराणा भगवत सिंह मेवाड़ ने कहा था कि पूज्य स्वामी गंगेश्वरानंद महाराज इस युग के एक महान आचार्य हैं, जिन्होंने विश्वभर में हिन्दू धर्म के प्रचारार्थ वेद मंदिरों की स्थापना का युग निर्माणकारी अद्भुत कार्य सम्पन्न किया.

– विमल मिश्रा